

उ मराठी भाषींनी देशों को अनावृष्ट बौध्द धर्म के नाम से
लोहिया के साल सिंगपोल II ने 1876 ई. में
भाषीय विवाहों में अनावृष्ट संस्था की स्थापना
में यूरोपीय देशों के मध्य भाषी विवादों का शांतिपूर्ण
रास्ते ।

- फ्रांसीसी ने जाँको की समस्या तथा अन्य विवादों के निपटारे के लिए माँगे की। यह नवंबर 1894 ई. से जून 1895 ई. तक चला। इसमें जाँको ने सभी यूरोपीय राज्यों को आपा-भाँट नोंपाबद्ध की व्यवस्था की के चुनाव सम्मेलन संचालन के लिए एक भाषा की स्थापना हुई।
- बर्लिन सम्मेलन में अफ्रीका के शेषांश व औसत विकास को ध्यान में रखा गया था, लेकिन यूरोपीय राज्यों ने अफ्रीका को आपा-भाँट में बाँटने के कई भयानक प्लान्स बनाए जो एकता नहीं हुई।

विभिन्न यूरोपीय देशों के भूदृष्टी में संगठन का

श्रौत \Rightarrow अल्पीत्या, मोल्का, धूमिल, भाइवी नाल भादि
इत्थेण \Rightarrow मिल भुक्त की

इन्हें \Rightarrow मिल, पूजन, दाहिना भागीना, रोडोशिया के मां, नाइजीरिया

અમંતી = ઔષધન, દોષાલેપ, પુશ્કર, ગાંડ કોટ

कुल्लुआल = कुल्लुआल, पूवी मोजायिक